



परसपेक्टवि: G7 शखिर सम्मेलन में प्रधानमंत्री

प्रलिम्स के लयि:

50वाँ G7 शखिर सम्मेलन, कृतरमि बुद्धमितता, जलवायु परविरतन, वैशवकि आपूरति शंखला, यूकरेन युद्ध, मध्य पूरव कषेतर, पारटनरशपि फॉर ग्लोबल इंफ्रासट्रकचर एंड इनवेस्टमेंट (PGII), भारत-मध्य पूरव-यूरोप आरथकि गलयिरा (IMEC), ऊरजा, अफरीका, भूमध्य सागर, समावेशी समाज, भारत-इटली, रणनीतिक साझेदारी, भारत-जापान, इंडो-पैसफिकि, भारत-यूकरेन, यूकरेन का करीमिया कषेतर, G-20 शखिर सम्मेलन, सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ग्लोबल साउथ, वधिसिमत शासन, लोकतंत्र, खाद्य, अफरीकी संघ, G-20, वसुधैव कुटुंबकम

मेन्स के लयि:

अंतरराष्ट्रीय संबंध और G7 से संबंधति भारत के सामरिक हति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इटली में **50वाँ G7 शखिर सम्मेलन** आयोजति हुआ और भारतीय प्रधानमंत्री ने एक **आउटरीच देश** के रूप में शखिर सम्मेलन में भाग लयि।

- G7 शखिर सम्मेलन, 2024 की कार्यसूची में **कृतरमि बुद्धमितता, जलवायु परविरतन, वैशवकि आपूरति शंखला, यूकरेन युद्ध** और **मध्य पूरव कषेतर** शामिल था।
- प्रधानमंत्री ने **अपुलिया कषेतर** में शखिर सम्मेलन के आउटरीच सत्र को भी संबोधति कयि, जहाँ उन्होंने **प्रौद्योगिकी के कषेतर में एकाधिकार** को समाप्त करने का आह्वान कयि।

50वें G7 शखिर सम्मेलन से संबंधति प्रमुख बदि क्या हैं?

प्रमुख पहल:

- इस शखिर सम्मेलन में शामिल नेताओं ने **G7 पारटनरशपि फॉर ग्लोबल इंफ्रासट्रकचर एंड इनवेस्टमेंट (Partnership for Global Infrastructure and Investment- PGII)** की महत्त्वपूर्ण पहलों को प्रोत्साहति करने का नरिणय लयि।
- इसके तहत, G7 वकिसशील और मध्यम आय वाले देशों को आधारभूत अवसंरचना परयोजनाएँ प्रदान करने के लयि वर्ष 2027 तक 600 बलियिन अमेरिकी डॉलर की राश आवंटति करेगा।
- G7 राष्ट्रों ने **भारत-मध्य पूरव-यूरोप आरथकि गलयिरा (IMEC)** को बढ़ावा देने की प्रतबिद्धता व्यक्त की।
- G7 ने मध्य अफरीका में **लोबटो कॉरडोर** तथा **लूज़ोन कॉरडोर** एवं **मडिल कॉरडोर** के लयि भी समर्थन व्यक्त कयि।
 - **लोबटो कॉरडोर**: यह अंगोला के अटलांटिक तट पर स्थति लोबटो के बंदरगाह शहर से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) और ज़ाम्बिया तक वसितुत है।
 - **लूज़ोन कॉरडोर**: यह फलीपीस के लूज़ोन द्वीप पर स्थति एक रणनीतिक आरथकि और अवसंरचना गलयिरा है। लूज़ोन फलीपीस का सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला द्वीप है।
 - **मडिल कॉरडोर**: इसे ट्रांस-कैस्पियन अंतरराष्ट्रीय परविहन मार्ग (TITR) के नाम से भी जाना जाता है, जो यूरोप और एशिया को जोड़ने वाला एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स/रसद तथा परविहन नेटवर्क है।
- G7 के नेता अधिकि **नशिचतिता, पारदर्शतिता और जवाबदेही** को बढ़ावा देने हेतु अपने **AI गवर्नेंस दृष्टिकोणों (AI Governance Approaches)** के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाने के प्रयासों को बढ़ाने के लयि प्रतबिद्ध हैं।

आउटरीच सत्र:

- मेज़बान देश इटली ने G7 के **आउटरीच सत्र** में **भारत** सहति **11 देशों** को आमंत्रति कयि।
- G-7 शखिर सम्मेलन का आउटरीच सत्र **कृतरमि बुद्धमितता** और **ऊरजा, अफरीका** तथा **भूमध्यसागरीय कषेतर** पर केंद्रति रहा।

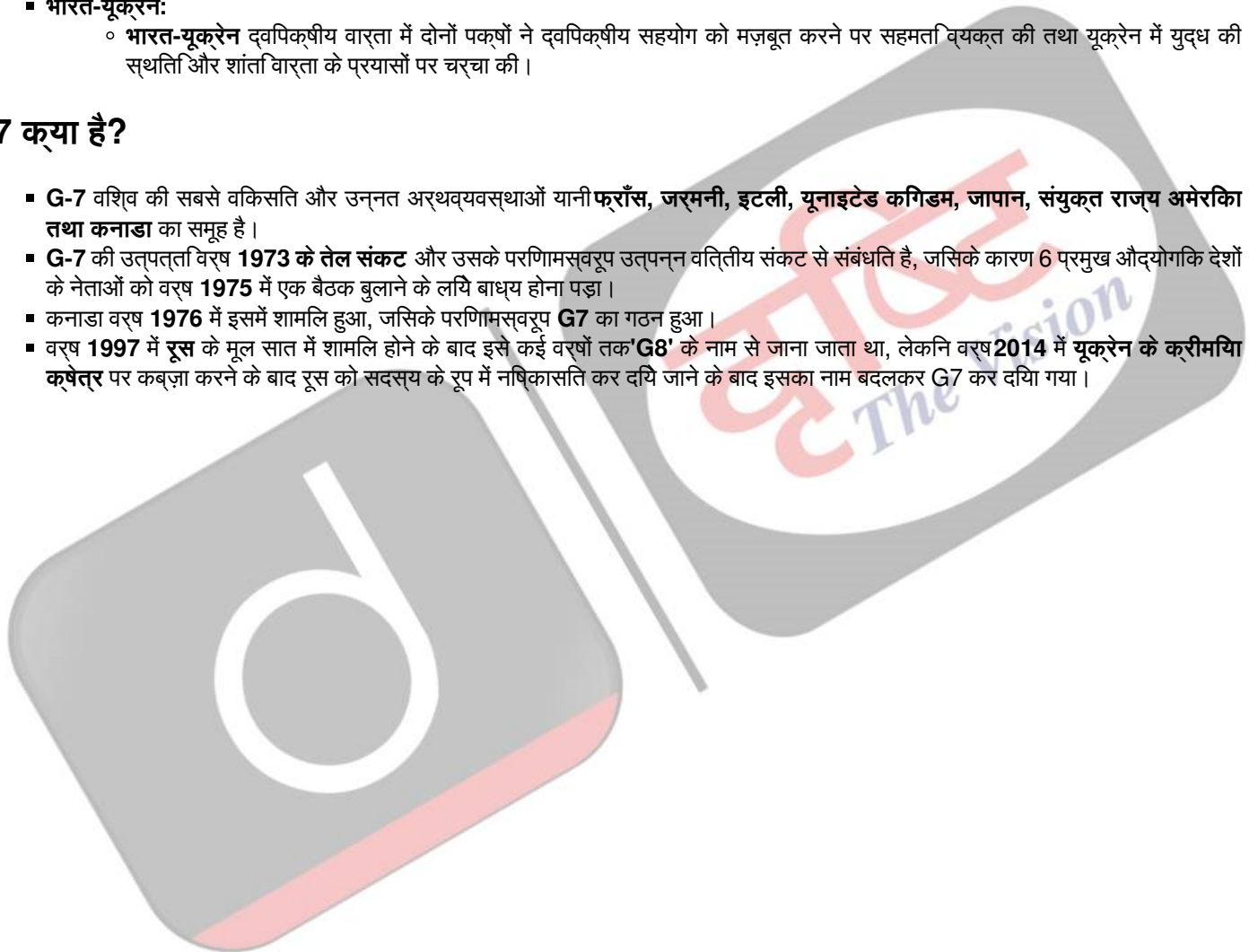
- भारत ने शखिर सम्मेलन के आउटरीच सत्र को संबोधित किया और **प्रौद्योगिकी में एकाधिकार** को समाप्त करने का आह्वान किया तथा कहा कि इसका उपयोग **समावेशी समाज** के लाभ के लिये किया जाना चाहिये।
- प्रधानमंत्री ने **सभी के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI)** पर **ज़ोर दिया** अर्थात् कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग सभी मानव जात की प्रगति और समृद्धि के लिये किया जाना चाहिये।
- भारत ने **G-7 शखिर सम्मेलन** के दौरान **इटली, जापान, यूक्रेन, ब्रिटन, फ्रांस, मसिर, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात** के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

G-7 शखिर सम्मेलन के दौरान कौन-सी द्विपक्षीय वार्ता हुई?

- **भारत-इटली:**
 - भारत ने द्विपक्षीय **रणनीतिक साझेदारी** की प्रगतिके बारे में इटली के साथ द्विपक्षीय वार्ता की तथा वैश्विक मंचों और बहुपक्षीय पहलों में सहयोग को मज़बूत करने पर सहमत वियक्त की।
- **भारत-जापान:**
 - भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई जिसमें भारत ने **हिदि-प्रशांत** क्षेत्र के लिये भारत-जापान संबंधों के महत्त्व पर ज़ोर दिया।
 - दोनों देश **बज़िनेस टू बज़िनेस (B2B)** और **पीपल टू पीपल (P2P)** सहयोग को मज़बूत करने पर सहमत हुए।
- **भारत-यूक्रेन:**
 - **भारत-यूक्रेन** द्विपक्षीय वार्ता में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने पर सहमत वियक्त की तथा यूक्रेन में युद्ध की स्थिति और शांति वार्ता के प्रयासों पर चर्चा की।

G7 क्या है?

- **G-7** विश्व की सबसे विकसित और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं यानी **फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा** का समूह है।
- **G-7** की उत्पत्ति वर्ष **1973 के तेल संकट** और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न वित्तीय संकट से संबंधित है, जिसके कारण 6 प्रमुख औद्योगिक देशों के नेताओं को वर्ष **1975** में एक बैठक बुलाने के लिये बाध्य होना पड़ा।
- कनाडा वर्ष **1976** में इसमें शामिल हुआ, जिसके परिणामस्वरूप **G7** का गठन हुआ।
- वर्ष **1997** में **रूस** के मूल सात में शामिल होने के बाद इसे कई वर्षों तक '**G8**' के नाम से जाना जाता था, लेकिन वर्ष **2014** में **यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र** पर कब्ज़ा करने के बाद रूस को सदस्य के रूप में निकासित कर दिया जाने के बाद इसका नाम बदलकर **G7** कर दिया गया।



G20

G8

G7

Germany



Russia



U.K.



France



Canada



U.S.



Italy



Japan



Turkey



European Union



Argentina



Brazil



South Korea



Mexico



China



Indonesia



Saudi Arabia



Australia



India



South Africa



//

इस शिखर सम्मेलन में भारत हेतु किस प्रकार के अवसर उपलब्ध हैं?

- **रणनीतिक धुरी के रूप में भारत:**
 - भारत वैश्विक सहयोग में **रणनीतिक धुरी** है, क्योंकि यह सबसे अधिक आबादी वाला देश, सबसे बड़ा लोकतंत्र, सबसे बड़े बाजारों में से एक और **5वीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था** है तथा G-7 अर्थव्यवस्थाओं में से 4 देशों- **फ्रांस, इटली, ब्रिटेन एवं कनाडा** से आगे है।
- **भारत वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के रूप में:**
 - हाल के वर्षों में भारत **वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के रूप** में उभरा है, विशेष रूप से वर्ष 2023 में **G-20 शिखर सम्मेलन** की सफलतापूर्वक मेज़बानी करने के बाद।
 - भारत इन मंचों पर **जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा** आदि जैसे वैश्विक दक्षिण के साझा मुद्दों को उठा सकता है।
 - **भारत अफ्रीकी क्षेत्र के विकास, अफ्रीकी विकास एजेंडे** पर सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- **आर्थिक अवसर:**
 - भारत और **ग्लोबल साउथ** भी अमीर G-7 सदस्य देशों के लिये नविश का एक गंतव्य है। भारत **नविश हेतु** एक स्थिर अर्थव्यवस्था है तथा यहाँ सुरक्षा एवं संरक्षण राजनीतिक माहौल है।
- **भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र:**
 - भारत **कानून के शासन**, स्वतंत्रता और **लोकतंत्र** का समर्थक है जिसे G-7 के उद्देश्यों में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।
- **वैश्विक चुनौतियों का समाधान:**
 - **जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** जैसी वैश्विक चुनौतियों पर वैश्विक एकजुटता।

G-7 से जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

- **एलीट मेन्स क्लब:**
 - G-7 को विकसित देशों के समूह के रूप में देखा जाता है जिनकी प्राथमिकताएँ विकसित देशों से भिन्न हैं।
 - G-7 सदस्यों को विकसित देशों के साथ सहयोग करके उनकी चुनौतियों का समाधान करना होगा।

- **सत्ता का सूक्ष्म परिवर्तन:**
 - वर्ष 2008 में जबकि G-8 ने **खाद्य मुद्रास्फीति** और अन्य सभी प्रकार के महत्त्वपूर्ण विश्व मुद्दों पर बात की, वे वर्ष **2008 के वैश्विक वित्तीय संकट** को पूरी तरह से भूल गए।
 - वर्ष 2023 में **अफ्रीकी संघ** को G-20 समूह में शामिल किये जाने से वैश्विक मुद्दों के समाधान में G-7 की तुलना में G-20 समूह की प्रासंगिकता बढ़ गई है।
- **G-7 का वसितार:**
 - भारत जैसे देशों को शामिल करके **G-7 का वसितार करना** एक दूर का लक्ष्य प्रतीत होता है, क्योंकि भारत एक विकासशील देश है और **प्रतिव्यक्ति आय** के मामले में समूह के अन्य देशों से पीछे है।
- **अनौपचारिक समूह:**
 - G-7 एक **अनौपचारिक समूह** है और कोई भी अनिवार्य निर्णय नहीं लेता है, इसलिये शिखर सम्मेलन के अंत में समूह की घोषणा **आध्यकारी नहीं** होती है।

आगे की राह

- **कूटनीति एवं संवाद:**
 - भारत विकासशील तथा विकासशील देशों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य कर सकता है क्योंकि **इसने संयम एवं ज़िम्मेदारी की भावना** प्रदर्शित की है।
- **भारत के लिये प्रतीकात्मक एवं वास्तविक महत्त्व:**
 - G7 शिखर सम्मेलन में भारत की उपस्थिति **प्रतीकात्मक एवं वास्तविक महत्त्व** रखती है क्योंकि भारत अधिकांश G7 देशों का रणनीतिक भागीदार है।
- **क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दे:**
 - वैश्विक मंच **वसुधैव कुटुम्बकम्** के दृष्टिकोण के साथ वैश्विक मुद्दों पर भारत के अद्वितीय दृष्टिकोण एवं परिप्रेक्ष्य को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं।
- **G-7 दृष्टिकोण में सुधार:**
 - यह माना गया है कि G-7 को विशिष्ट देशों के समूह के रूप में देखा जा रहा है, वैश्विक मुद्दों को G7 के भीतर ही हल नहीं किया जा सकता है, इसलिये वैश्विक मुद्दों के समाधान हेतु दृष्टिकोण में सुधार की आवश्यकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI):

- **परिचय:**
 - AI को मशीनों एवं प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त करने, उसे लागू करने तथा बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जाता है।
 - "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" शब्द एक अमेरिकी कंप्यूटर तथा संज्ञानात्मक वैज्ञानिक जॉन मैकार्थी द्वारा गढ़ा गया था। वह AI के संस्थापकों में से एक थे।
 - इसमें **मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, बगि डेटा, न्यूरल नेटवर्क**, कंप्यूटर विज्ञान, **लारज लैंग्वेज मॉडल** आदि प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।
 - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी तर्कसंगतता तथा ऐसे कार्य करने की क्षमता है जिनसे किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सर्वोत्तम संभावना होती है।
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित भारत की पहल:**
 - **INDIAai**
 - **कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी (GPAI)**
 - **यूएस इंडिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहल**
 - **युवाओं के लिये ज़िम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)**
 - **कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशिन।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किस एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं? (2020)

- अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- ब्राजील, ईरान, सऊदी अरब और वियतनाम
- इंडोनेशिया, जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/perspective-pm-to-attend-g7-summit>

